

• (31 : 30 - 32 : 52) 0

• (33 : 1 - 29) 0

• (34 : 1 - 12) 0

+ و يركز سفر التثنية على الماضي و على المستقبل و يجب الاهتمام بهاتين
النقطتين عند دراسة سفر التثنية 0

1 - الماضي 00

0

0

و علي سبيل المثال:

-1 (13 : 2 16 27)

(1 : 22)

0

-2 (9 : 20)

0(35 - 15: 32)

-3 (11 : 6)

(11 : 26)

0(17 : 106)

()

2

مقدمة سفر التثنية

0

تسمية السفر:

" " ()
" "

" "

" "

كاتب السفر:

0

0

مضمون السفر و أقسامه :

:

0(4 - 1 : 1)

0(40 : 4 - 5 : 1)

0(49 - 41 : 4)

0(19 : 26 - 1 : 5)

0(68 : 28 - 1 : 27)

0(2 : 30 - 1 : 29)

0(29-1: 31)

1

(14 11 : 16 29 -27: 14 18 12: 12) -2

0(6 : 35) 48

-3

(21 : 27)

(65 : 2)

(20 -14 : 17 -4

-5

(14 : 19)

0(17 : 27)

المقدمة: (تنثية 1 : 1 - 4)

00

(1 : 1) 00(48 : 33)

(2 : 1)

0

4

(16 : 24)

018

:20)

-4

(22 - 14

(4 3 : 23 17 : 11)

0(7 : 23)

-5

(24 - 4 : 2)

00

(21-19 : 15)

0

2- المستقبل 00

0

-1

(5: 12)

(3 : 17)

(

. (15 : 12)

3

(10-4:1)

..

..

(1 : 4)

0

"

"

..

0

..

"

"

0

مدن الملجأ (تثنية 41-49)

..

0

الخطاب الثاني لموسى (تثنية 5-26)

(11 - 5)

0

الخطاب الأول لموسى (تثنية 1 : 5 - 4 : 40)

(18 - 9 : 1)

-20 : 1)

"

"

(35 : 1)

(46

31 : 4)

(8 : 1)

30 (18 : 8

: 00

(8 : 7)

00

(35 - 28 : 14) 0(14: 2)

0(40- 37 : 4)

0

(27 17 : 32 14 : 18)

كفاكم دوران في هذا الجبل (تثنية 2 : 3)

(6 : 1)

(32 -)

- 30 :8)

(29 :11)

(35

.. 0

إعادة التأكيد علي عهد سيناء (تثنية 29 – 30)

0

0
0(15 : 30)

(23 7 : 31)

0(18 9 6 :1)
نشيد موسى: (تثنية 31 : 30 - 32 : 52)

(14: 31)

(32)

..

..

"

"

..

(5 : 19) "

(22 : 14)

{

(3 : 5)

0

(5 4 : 2) :

(19-15:4)

"

..

"

..

[] :

0

قصاص الارتداد (تثنية 13 : 6 – 18)

0

البركات واللعنات (تثنية 27 – 28)

(26 5)

(49)

0

(90)

00

0(27 : 33) []
موت موسى: (تثنية 34 : 1 - 12)

00

" 00
(3 : 17) "

(12 - 10)

" "
0
النبوات و الرموز في سفر التثنية:

" :
(15 : 18)
37 : 7 26 - 22 : 3

0

0

0(15 : 30) "

(15)

0

:

0(39 : 32) - 1

0(21 16 : 32) - 2

0(14 - 10 : 32) - 3

0(21- 15 6 - 5: 32) - 4

0(42- 35 : 32) - 5

البركة التي بارك بها موسى الأسباط: (تثنية 33 : 1 - 29)

0(15 - 11 : 11)

(49)

(7 : 49)

(14 : 15) " "

00

(28 - 26 : 32)

00

" "

0(5 : 9)	(1 : 7 16 :4)	8
0	(12 - 7)	9
0	(13 : 12)	10
0	(2 -1: 10 1)	11
(15 - 14 : 2)	(51 : 12)	12
(7 6 5)	(20)	13
0	(9:9)	14

(أ) موسى النبي

:

0(2)	2)	1
	0(2:	2
0(1: 1)	0(10: 2)	3
(13 : 2)	0(15 : 2)	4
0(16 : 2)	0(22 : 1)	5
0	0	6
"	"	7
(23 : 21)	0(14: 2)	
(23- 19 : 2)	(19: 4)	

أن قاش برنيع مكان الامتحان 00

" (20 : 27) .

-

"

..

الدرس الثاني : أن قاش برنيع تكشف عن نوع الروح
المسيطر ..

-

!

15

(15 14 : 3)

(9 - 6 : 31)

16

0

0

(ب) شريعة الصلب :

: (23 22 :21)

0

"

0

0"

" : (13 : 3)

:"

0"

دروس في البرية:

"

"

0

0(11 : 10) "

و قد احتوت هذه الشهادة الأمانة الحقائق الآتية :

-1

0

-2

!

كلمة ختامية:

)" "

0(

)

(

0

-

00

0

0

0!!

الدرس الثالث في قادش برنيع لأبد من إصدار القرار 00

-

()

0

()

-

(1 : 14)

0

-

!00

0